SALTOC Project
Title: Kalāvārtā
Imprint: Bhopāla: Madhyapradeśa Kalā Parishad
OCLC: 32108628
Issue 58, January 1988
TOC Supplied by: University of Hawai'i at Mānoa

इस अंक में

सौंदर्य संवेग **बालकृष्ण राव** पृष्ठ–७ मध्यप्रदेश के लोक साहित्य में जातीय चेतना **डॉ. नर्मदा प्रसाद गुप्त** पृष्ठ १०, शमशेर की आवाज आवाजों का समूह है **अभिनव तेलंग** पृष्ठ १४, गहरी बैचेनी का ईमानदार लेखन **पंकज शुक्ल** पृष्ठ २१, हिंगलाजगढ़ से प्रान्त कलाकृतियों में अलंकरण एवं सौंदर्य की प्रतिष्ठा। **राम सेवक गर्ग** पृष्ठ २४, मा से धा धा से मा **रघुनाथ सेठ से राकेश जोशी की बातचीत** पृष्ठ २८, ओम प्रकाश चौरसिया को सुनते हुए बच्चे पृष्ठ ३१, भारत में रूसी कला का काफिला **रमेश ऋषिकल्प** पृष्ठ ३३, हर्मिताज का कला खजाना : कारागार में स्वर्ण वर्षा **विनोद भरद्वाज** पृष्ठ ३६, अश्वेत लोग कोरा मनोरंजन नहीं चाहते **सायरा एस्सा से डॉ. सुशील त्रिवेदी की बातचीत** पृष्ठ ३८, आजादी के लिए तीन नाटक **डॉ. सुशील त्रिवेदी** पृष्ठ ४३, शकुन्तला : सात्विक सौंदर्य की छवि **डॉ. सुशील त्रिवेदी** पृष्ठ ४५, तबले की हकीकत : कुछ दिलचस्प पहलू **रश्मि वाजपेयी** पृष्ठ ४८, कालिदास की स्मृति में सात संध्याएं **राजकुमुद ठौलिया** पृष्ठ ५०, पहाड़ से पहाड़ों को देखना **अखिलेश** पृष्ठ ५३।